Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

U.G sem-3
MJC -3 (Developmental Psychology)

वाइगोत्स्की का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (Vygotsky's Theory of Cognitive Development)

यह सिद्धांत मुख्य रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर आधारित है। इसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

1. **सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव**:

   वाइगोत्स्की के अनुसार, बच्चे का संज्ञानात्मक विकास समाज, संस्कृति और सामाजिक अंत:क्रिया (social interaction) पर निर्भर करता है। बच्चे समाज के साथ संपर्क और संवाद के माध्यम से सीखते हैं।

2. **भाषा की भूमिका**:

   वाइगोत्स्की ने भाषा को सीखने और विकास का मुख्य उपकरण माना है। भाषा के माध्यम से बच्चे ज्ञान प्राप्त करते हैं, विचार करते हैं और उसे व्यक्त करते हैं। भाषा उनके संज्ञानात्मक विकास की कुंजी है।

3. **सीखना विकास से पहले:**

   वाइगोत्स्की के अनुसार, अधिगम (learning) विकास (development) से पहले होता है। यानी, बच्चे पहले सामाजिक संदर्भ में सीखते हैं और फिर उसका आंतरिक विकास होता है। यह दृष्टिकोण पियाजे के सिद्धांत से भिन्न है, जहाँ विकास को प्राथमिकता दी गई है।

4. **समीपस्थ विकास क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD):**

   वाइगोत्स्की के अनुसार, ZPD वह क्षेत्र है जहाँ बच्चा किसी कार्य को स्वयं नहीं कर सकता लेकिन थोड़ी मदद से उसे कर सकता है। यह क्षेत्र बच्चे की वर्तमान क्षमता और उसकी संभावित क्षमता के बीच का अंतर है।

Edit with WPS Office

5. **स्कैफोल्डिंग (Scaffolding):**

   इसका अर्थ है, बच्चे को सीखने में समर्थन देना—जैसे शिक्षक या माता-पिता द्वारा मार्गदर्शन देना—ताकि बच्चा धीरे-धीरे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सके। दूसरे शब्दों में, जब बच्चा किसी कार्य को स्वयं नहीं कर सकता लेकिन थोड़ी मदद से उसे कर सकता है। इस मदद को **स्कैफोल्डिंग** (Scaffolding) कहते हैं – यानी धीरे-धीरे समर्थन देना और फिर वापस लेना जब बच्चा सक्षम हो जाए।

मुख्य तत्व:

वाइगोत्स्की के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास के तीन मुख्य स्तंभ हैं:

1. सामाजिक अंतःक्रिया (Social Interaction)

   वाइगॉट्स्की के अनुसार, बच्चे का संज्ञानात्मक (Cognitive) विकास मुख्य रूप से सामाजिक अंतःक्रिया पर निर्भर करता है। जब बच्चे वयस्कों या अधिक जानकार साथियों के साथ बातचीत करते हैं, तो वे नए विचार और कौशल सीखते हैं।

2. भाषा (Language)

   भाषा को वाइगॉट्स्की ने सोचने का एक माध्यम माना है। उनके अनुसार, भाषा न केवल संप्रेषण का साधन है बल्कि यह सोच-विचार (thinking) और समस्या समाधान (problem solving) का मुख्य उपकरण भी है।

3. संस्कृति (Culture)

   वाइगॉट्स्की का मानना था कि संस्कृति यह तय करती है कि बच्चा क्या सीखता है और कैसे सीखता है। इसलिए, संज्ञानात्मक विकास की प्रक्रिया सांस्कृतिक संदर्भ पर भी निर्भर करती है।

सारांश:

वाइगोत्स्की का मानना था कि बच्चे का बौद्धिक विकास सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ में, भाषा और सामाजिक संपर्क के माध्यम से होता है। शिक्षक या माता-पिता को बच्चों को सीखने के लिए उपयुक्त वातावरण व समर्थन देना चाहिए, जिससे वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office